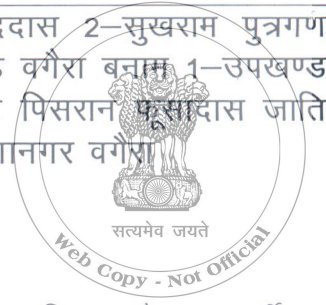


मुन्तकिली प्रकरण सं० 01/2016 अनवानी 1-गोमन्ददास 2-सुखराम पुत्रगण फूसादास जाति बैरागी नि० किशनपुरा तहसील सूरतगढ वगैरा बनाम 1-उपखण्ड अधिकारी सूरतगढ 2-सुरजदास 3-मेघदास 4-पूर्णदास पिसरान फूसादास जाति बैरागी निवासी किशनपुरा तहसील सूरतगढ जिला श्रीगंगानगर वगैरा



31.08.2016

प्रार्थीगण के अभिभाषक श्री विजय रेवाड उपस्थित है। अप्रार्थीगण उपस्थित नहीं है। पत्रावली का अवलोकन किया तो पाया कि यह मुन्तकिली प्रार्थना पत्र गोविन्ददास, सुखराम वगैरा द्वारा उपखण्ड अधिकारी सूरतगढ एवं अप्रार्थीगण संख्या 2ता 19 के विरुद्ध धारा 235 राज० काश्तकारी अधिनियम 1955 के तहत इस आशय का पेश करके प्रार्थना की है कि उपखण्ड अधिकारी, सूरतगढ के न्यायलय में लबित वाद संख्या 200/2014 अनुवानी गोमन्ददास वगैरा बनाम सुरजदास वगैरा में उपखण्ड अधिकारी सूरतगढ से निष्पक्ष न्याय मिलने की संभावना नहीं है इसलिए उक्त प्रकरण को उपखण्ड अधिकारी सूरतगढ के न्यायलय से किसी अन्यत्र सक्षम न्यायलय में मुन्तकिल किया जावे।

चूकि तत्कालीन उपखण्ड अधिकारी सूरतगढ को अब सूरतगढ से अन्यत्र स्थान पर लगाया जा चुका है। इसलिए यह मुकदमा मुन्तकिली प्रार्थना पत्र निष्प्रभावी अर्थात् फलहीन हो गया है। अतः यह मुन्तकिली प्रा० पत्र इसी आधार पर खारिज किया जावे।

प्रार्थीगण के अभिभाषक को भी उक्त आधार पर मुकदमा मुन्तकिली प्रार्थना पत्र खारिज किये जाने पर कोई आपति नहीं है।

इसलिए यह मुकदमा मुन्तकिली प्रार्थना पत्र निष्प्रभावी अर्थात् फलहीन हो गया है। प्रार्थीगण के अभिभाषक को भी उक्त आधार पर मुन्तकिली प्रार्थना पत्र खारिज किये जाने पर कोई आपति नहीं है। अतः मुन्तकिली प्रा० पत्र निष्प्रभावी अर्थात् फलहीन होने के कारण खारिज करने योग्य है।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर यह मुन्तकिली प्रार्थना पत्र निष्प्रभावी अर्थात् फलहीन होने के कारण खारिज किया जाता है। आदेश की प्रति उपखण्ड अधिकारी, सूरतगढ को पालनार्थ भिजवाई जावे। यह पत्रावली बाद तरतीब तकमील दाखिल दफतर हो।

आदेश आज दिनांक 31.08.2016 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(पी. सी. किशन)
जिला कलैक्टर
श्रीगंगानगर

1575
9/9/16